नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

कैनवास पर अंतर्मन के द्वंद्व

हिंदी विश्वविद्यालय में सुधा वर्मा की चित्रकृतियों की प्रदर्शनी

वर्धा, 12 मार्च 2019: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

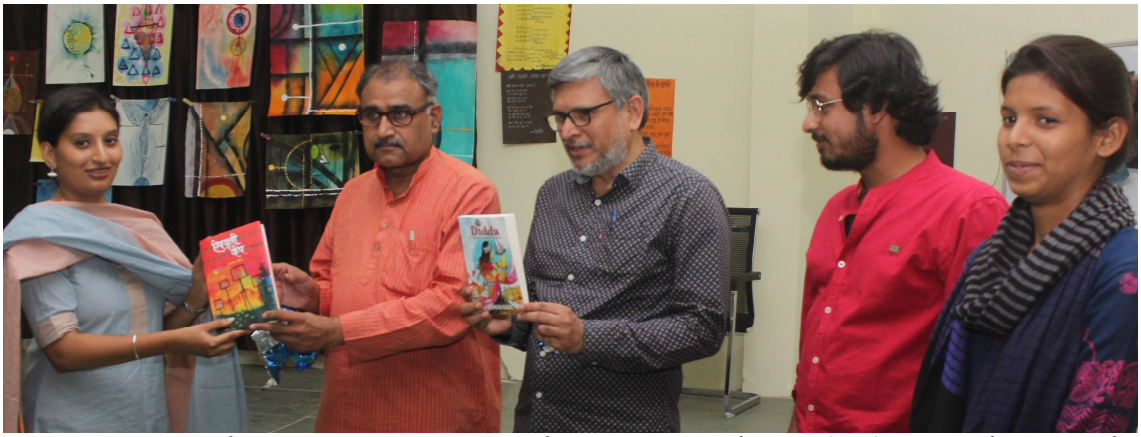

'रचना समय' के अंतर्गत पी-एच.डी. शोधार्थी सुधा वर्मा के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में अंतर्मन शृंखला की 15 चित्रकृतियां थीं और चार चित्रकृतियां परिवेश से संबंधित थीं। इस अवसर पर सुधा वर्मा ने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने मन में चल रहे द्वंद्व को अमूर्त चित्रकारी के माध्यम से कैनवास पर उकेरा। सुधा वर्मा ने प्रसिद्ध लेखक आशीष कौल की पुस्तक रेफ़्यूज़ी कैंप और दिद्दा: द वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर की प्रति विभागाध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे तथा एडजंक्ट फैकल्टी अरुण कुमार त्रिपाठी को भेंट की। इन दोनों किताबों का आवरण सुधा वर्मा ने ही तैयार किया है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित विभाग के एडजंक्ट फैकल्टी अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सुधा वर्मा ने मन में चल रहे द्वंद्व को अपनी कला के माध्यम से बखूबी अभिव्यक्त किया है। मानव शास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. वीरेंद्र प्रताप यादव और जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों-नेहा ओझा, कुमारी नेहा, तेजी ईशा, अजय कुमार, संदीप कुमार दुबे, सद्दाम हुसैन, अमित मिश्रा और वैभव उपाध्याय ने भी सुधा वर्मा के चित्रों पर अपने विचार व्यक्त किये।

विभागाध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने सुधा वर्मा की चित्रकृतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि कोई भी बड़ा कलाकार किसी प्रशिक्षण का मोहताज नहीं होता। चाहे वह अवनींद्र नाथ ठाकुर हों या सत्यजीत रे, उन्होंने अपनी कला का विकास साधना से किया। कार्यक्रम का संयोजन पी-एच.डी. शोधार्थी वैभव उपाध्याय एवं एम.ए. की छात्रा कुमारी नेहा ने किया। गौरतलब है कि रचना समय की शुरुआत जनसंचार विभाग के छात्रों की सर्जनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से की गयी है। प्रत्येक शनिवार को आयोजित होनेवाले रचना समय में फिल्म, कला, काव्य आवृत्ति, काव्य संगीत जैसे विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उसमें संबंधित विषय के विशेषज्ञ कार्यक्रम में प्रस्तुत रचना पर टिप्पणियां करते हैं।

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।